छोड़ के जग को जाना है | By Kundan Sonkar |

छोड़ के जग को जाना है
कहाँ पे किसका ठिकाना है
मोह-माया में फँसे हैं सभी
मोह-माया में फँसे हैं सभी
दिन चार पल के बिताना ही तो है

खाली हाथ आए हैं
खाली हाथ जाएँगे
दौलतों के बिस्तर पर
सो भी नहीं पाएँगे
मान होश खो बैठे हैं
देखो दुनिया वाले
शर्मो-हया से देखो
छुप गए हैं तारे

छोड़ के जग को जाना है
कहाँ पे किसका ठिकाना है
मोह-माया में फँसे हैं सभी
मोह-माया में फँसे हैं सभी
दिन चार पल के बिताना ही तो है

अपने मन के आईने में
एक बार देख ले
झूठ नहीं कहता दर्पण
साफ-साफ देख ले
जैसा तू करेगा करनी
वैसा भोग पाएगा
लेके आया क्या तू बंदे
क्या तू लेके जाएगा

छोड़ के जग को जाना है
कहाँ पे किसका ठिकाना है
मोह-माया में फँसे हैं सभी
मोह-माया में फँसे हैं सभी
दिन चार पल के बिताना ही तो है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9b%e0%a5%8b%e0%a4%a1%e0%a4%bc-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%9c%e0%a4%97-%e0%a4%95%e0%a5%8b-%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%88-by-kundan-sonkar/